20. अपठित बोध

अपठित बोध अर्थात् किसी कहानी, कविता, लेख आदि के ऐसे अंश जिन्हें छात्रों ने अपनी पाठ्यपुस्तकों में पहले न पढ़ा हो। अपठित यानी पहले न पढ़ा हुआ। भाषा की इस विधा द्वारा बच्चों को कोई गद्यांश या पद्यांश पढ़ने के लिए दिया जाता है, जिसे पढ़कर बच्चों को उस पर आधारित प्रश्नों के सटीक उत्तर देने होते हैं।

- ❖ बच्चों को बताएँ, अपठित बोध के उत्तर देते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए, जैसे– गद्यांश/काव्यांश को दो-तीन बार पढ़ना चाहिए।
- ❖ उन्हें बताएँ, प्रश्नों के उत्तर गद्यांश में ही निहित होते हैं इसलिए गद्यांश ध्यान से पढ़कर समझना आवश्यक है।
- ❖ समझाएँ, उत्तर अपनी भाषा में ही देने का प्रयास करना चाहिए तथा लंबे-लंबे उत्तर नहीं देने चाहिए। जितना पूछा जाए केवल उतना ही उत्तर लिखना चाहिए।
- ❖ विकल्प वाले प्रश्नों के उत्तर का चुनाव करते समय सबसे सही या उपयुक्त विकल्प ही चुनना चाहिए।
- ❖ इस प्रकार, मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए पाठ में दिए हल सहित उदाहरण पढ़वाएँ तथा उनके उत्तर भी पढ़वाएँ।
- ❖ ध्यान रखें सभी बच्चे समझ पा रहे हैं।
- ❖ अभ्यास बच्चों से पढ़वाएँ तदुपरांत उसपर आधारित प्रश्नों के उत्तर पहले मौखिक रूप में बताने को कहें फिर लिखित रूप में देने को कहें।
- ❖ यथा आवश्यक सहायता करें।